ब्लूम पब्लिक स्कूल
वसंत कुंज, नई दिल्ली
विषय –संस्कृत
पाठ्यक्रम – सत्र 2019 – 2020

कक्षा – आठ

माह	पाठ की संख्या व नाम
अप्रैल	पाठ –1 अस्माकं विद्यालयः पाठ –2 चन्द्रगुप्तस्य न्यायः श्ब्द रूप – कवि ,मति ,नदी (केवल याद करने के लिए) धातु रूप –दृष्, अस् धातु– सभी लकारों में (केवल याद करने के लिए)
मई	पाठ –3 महताम् अपि महान् व्याकरण – समय , उपपद विभक्तियाँ धातु रूप – प्रच्छ्, कृ धातु– सभी लकारों में (केवल याद करने के लिए)
जुलाई	पाठ – 4 सुवचनानि पाठ – 5 शृगाल – कथा श्ब्द रूप – एतत्, इदम् तीनों लिंगों में (केवल याद करने के लिए) व्याकरण – अव्यय, पर्यायवाची 1से 10 तक
अगस्त	पाठ – 6 ईष्वरः यत् करोति षोभनं करोति पाठ – 7 वार्तालापः (संधिः) पाठ– 8 प्रहेलिकाः अन्तरालापाष्च
सितम्बर	व्याकरण – चित्र वर्णन, अपठित गद्यांष, पुनरावृति – अर्ध वार्षिक मूल्यांकन के सभी पाठ एवं व्याकरण
अक्टूबर	पाठ– 9 कन्या संरक्षेत् पाठ्येत् च पाठ –10 वरं बुद्धि न सा विद्या व्याकरण–स्वर संधि –दीर्घ,गुण, वृद्धि
नवम्बर	पाठ – 11 साहित्य सुधा पाठ – 12 अन्तर्जालम् श्ब्द रूप – गुरु (केवल याद करने के लिए) धातु रूप – नृत्,रक्ष्,सभी लकारों में (केवल याद करने के लिए)
दिसम्बर	पाठ – 13 गोवाप्रदेषः पाठ – 14 दुर्बलानां बलं युक्तिः व्याकरण –पर्यायवाची 11 से 20 तक श्ब्द रूप – पितृ (केवल याद करने के लिए)
जनवरी	पाठ – 15 प्रकाषस्य परावर्तनम् अपर्वतनम् च पाठ – 16 संख्या –प्रयोगः(त्रिषु लिंगेषु वचनेषु च) श्ब्द रूप –मातृ (केवल याद करने के लिए) धातु रूप –स्था,कुध्,सभी लकारों में (केवल याद करने के लिए)
फरवरी	व्याकरण – चित्र वर्णन, अपठित गद्यांष, पुनरावृति – वार्षिक मूल्यांकन के सभी पाठ एवं व्याकरण
मार्च	वार्षिक मूल्यांकन

मूल्यांकन पाठ्यक्रम

1. प्रथम सत्रीय मूल्यांकन – पाठ– 1, 2 ,3 व्याकरण – षब्द रूप – कवि ,मति ,नदी धातु रूप – दृष ,प्रच्छ् अस ,कृ सभी लकारों में

2. अर्ध वार्षिक मूल्यांकन – पाठ– 1 से 8 श्ब्द ब्द रूप – कवि ,मति ,नदी, एतत्, इदम, (तीनों लिंगों में) धातु रूप–दृश, प्रच्छ् अस ,कृ सभी लकारों में व्याकरण – समय , अव्यय, उपपद विभक्तियाँ, पर्यायवाची(1से 10), चित्र–वर्णन, अपठितगद्यांष।

3. द्वितीय सत्रीय मूल्यांकन – पाठ– 9 से 11 षब्द रूप – गुरु, सर्व , किम, (तीनों लिंगों में) धातु रूप – नृत्,रक्ष्, अस ,कृ सभी लकारों में

4. वार्षिक मूल्यांकन – पाठ–1, 3, 7, 9 से 16 षब्द रूप – पितृ , मातृ , गुरु, सर्व ,किम् (तीनों लिंगों में) धातु रूप–नृत्,रक्ष्,स्था,कुध्, अस ,कृ सभी लकारों में व्याकरण – समय ,अव्यय, उपपद विभक्तियाँ, (प्रथम सत्र से) ,पर्यायवाची(11से 20) स्वर संधि –दीर्घ,गुण, वृद्धि,चित्र–वर्णन, अपठितगद्यांष।